

मूल्याङ्कन

कला शिक्षामे आकलन छात्रसभक रचनात्मक क्षमता आ कलात्मक विकासकेँ बुझबा आ पोषण करबामे महत्वपूर्ण भूमिका निभाबैत अछि। पारम्परिक विषयक विपरीत, कला शिक्षा आकलन रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, तकनीकी प्रवीणता, आ अभिव्यञ्जक क्षमता सहित कौशलक एकटा विस्तृत श्रृंखलाक मूल्याङ्कन पर ध्यान केन्द्रित करैत अछि। ई आकलन मात्र प्रगति आ निपुणताक मापक लेल नहि बल्कि अन्वेषण, आत्म-अभिव्यक्ति, आ कलाक लेल गहन प्रशंसाकेँ प्रोत्साहित करबाक लेल सेहो तैयार कयल गेल अछि।

मूल्याङ्कन केर विधि

चूँकि मूल्याङ्कन प्रक्रिया मुख्य रूपसँ कौशल आधारित होइत छैक, ई बच्चा द्वारा देल गेल 'सही या गलत उत्तर' पर निर्भर नहि होइत छैक। एहि लेल ई महत्वपूर्ण अछि जे प्रश्न पत्र आ लिखित उत्तरक सङ्ग 'परीक्षण'क संरचना नहि कयल जाय। ई कला शिक्षा पाठ्यक्रममे प्रयुक्त दृष्टिकोणक उद्देश्यकेँ पूर्ण रूपसँ पराजित कऽ देत।



0680CH22

विभिन्न तरहक मूल्याङ्कन विधि जेना पोर्टफोलियो, प्रदर्शन समीक्षा, परियोजना आधारित मूल्याङ्कन आ चिन्तनशील आत्म-मूल्याङ्कन, छात्रक अद्वितीय आ कलात्मक यात्राक अन्तर्दृष्टि दऽ सकैत अछि।

निम्नलिखित पृष्ठ रचनात्मक आ योगात्मक दुनू आकलनक लेल एकटा संरचनाक सुझाव दैत अछि। प्रत्येक मानदण्डमे मूल्याङ्कनकेँ चिह्नित करबाक लेल 5-बिन्दु मापक सुझाव देल जाइत अछि। एहिसँ शिक्षक, अभिभावक आ छात्रसभकेँ ई स्पष्टता भेटत जे बच्चा कोना प्रगति कऽ रहल अछि। नीच्याँ देल गेल सारणीक उपयोग 5-बिन्दु मापककेँ चिह्नित करबाक लेल सन्दर्भक रूपमे कयल जा सकैत अछि। प्रत्येक गतिविधिक लेल रूब्रिककेँ विस्तारसँ विकसित कयल जा सकैत अछि।

मात्रात्मक मूल्याङ्कन (स्कोर) दुनूकेँ जोड़नाइ महत्वपूर्ण अछि

या रूब्रिक पर आधारित ग्रेड) आ गुणात्मक मूल्याङ्कन (बच्चाक व्यवहार, रुचि, प्रगति आ अन्य पहलू पर शिक्षकक अवलोकन जकर उल्लेख रूब्रिकमे नहि कयल जा सकैत अछि)।

जखनकि प्रारम्भिक मूल्याङ्कन प्रत्येक वर्गमे अवलोकन पर आधारित होइत छैक, योगात्मक

मूल्याङ्कनकें मूल्याङ्कनक लेल आवण्टित होबामे पूरा एक दिन लगैत छैक। मूल्याङ्कनक तैयारीमे स्थान, सामग्री, औजार, उपकरण आ अन्य आवश्यक उपकरणकें एकत्रित आ व्यवस्थित करब शामिल भऽ सकैत अछि। जे पूछल जाइत अछि ओकर आधार पर छात्रसभकें अनायास मौका पर किछु बनाबय पड़ैत छैक।

छात्रक सीखबाक स्तर	संख्यात्मक मापक	ग्रेड
प्रारम्भ	1	E
विकास कए रहल अछि	2	D
आशाजनक	3	C
कुशल	4	B
विलक्षण	5	A

मूल्याङ्कन मानदण्ड राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढाँचा, 2023 सँ पाठ्यचर्या लक्ष्य (सीजी) आ दक्षता (सी) पर आधारित अछि। सन्दर्भक लेल क्यूआर कोडमे उपलब्ध अछि

रचनात्मक मूल्याङ्कन

सीजी	C	सामान्य मापदण्ड	दृश्य कलामे विशिष्ट सीखबाक परिणाम	अध्याय	शिक्षक	स्वयं
सीजी1	सी- 1.1	सब दिनक अनुभवक अभिव्यक्ति	1. अपन रोजमर्रा के अवलोकन के आधार पर कलाकृति बनाबैत अछि ।	1, 2, 3		
			2. रङ्ग आ भावनाक बीच सम्बन्धक चर्चा करैत अछि ।	2		
			3. चित्र बनबैत काल सहकर्मी सभक सङ्ग सहयोग करैत अछि ।	2		
	सी- 1.2	सहयोग आ सामूहिक काज	4. चित्र बनाबै काल सहकर्मी सभक सङ्ग सहयोग करैत अछि ।	3		
			5. कलाकृति बनाबै आ प्रदर्शित करबाक समय एक दोसरक मदति करैत अछि ।	सभ		
सीजी2	सी- 2.1	रूढ़िवादक पहिचान	6. प्रकृतिकें चित्रित करबाक लेल प्रयुक्त रूढ़िवादी रूपकें चिन्हैत अछि ।	2, 3		
			7. लोकक चित्रणमे लैङ्गिक रूढ़िवादकें मान्यता दैत अछि ।	3		
	सी- 2.2	कल्पना आ रचनात्मकता	8. वस्तु, प्रकृति आ लोकक सूक्ष्म विवरणक बारीकी सँ अवलोकन करैत अछि ।	1, 2, 3		
			9. विभिन्न भूमिकामे सभ लिङ्ग आ रूपक लोककें चित्रित करैत अछि ।	3		
			10. कागजक शिल्प आ मोहरक लेल अपन प्रतिरूप आ डिजाइन बनबैत अछि ।	4, 5		

सीजी	C	सामान्य मापदण्ड	दृश्य कलामे विशिष्ट सीखबाक परिणाम	अध्याय	शिक्षक	स्वयं
सीजी3	सी- 3.1	सामग्री, उपकरण आ तकनीकक प्रयोग	11. पेंसिल सं प्रकाश आ छाया बनबैत अछि ।	1, 2		
			12. रोजमर्रा के वस्तु बनाबै काल परिप्रेक्ष्य लागू करैत अछि ।	1		
			13. कोनो चुनल माध्यमक सङ्ग रङ्गक रङ्ग आ रङ्गक निर्माण करैत अछि ।	2		
			14. कलाकृतिक लेल विभिन्न सामग्री आ सतहक प्रयोग ।	2		
			15. अपन डाक टिकट आ मोहरक प्रयोग सँ प्रिन्ट बनाबैत अछि ।	5		
	सी- 3.2	तैयारी सँ प्रस्तुति तक कार्य प्रक्रिया	16. प्लिपबुक, कागजक शिल्प बनबैत काल वा प्राकृतिक रङ्ग तैयार करैत समय अनुक्रमिक चरणक अनुसरण करैत अछि ।	1, 2, 4		
			17. विचारकेँ संशोधित करैत अछि आ मोहर बनबैत प्रयोग करैत अछि ।	5		
सीजी4	C-4.1 आ C-4.2	स्थानीय आ क्षेत्रीय कलाक ज्ञान रूप, आ कलाकार	18. बुद्धक मुखक विशेषताक तुलना अलग-अलग शैलीमे करैत अछि ।	3		
			19. पारम्परिक रूपसँ प्रयुक्त सामग्री, औजार आ सतहक वर्णन करैत अछि ।	2		
			20. कलाकारक नाम, कला परम्पराक स्मरण करैत अछि आ हुनक काजक वर्णन करैत अछि ।	सभ		
दृश्य कलामे मध्यावधि रचनात्मक मूल्याङ्कन समुच्चय						
दृश्य कलामे अन्त-अवधि रचनात्मक मूल्याङ्कन समुच्चय						

सीजी	C	सामान्य मापदण्ड	सङ्गीतमे विशिष्ट सीखबाक परिणाम	अध्याय	शिक्षक	स्वयं
सीजी 1	सी- 1.1	सबदिनक अनुभवक अभिव्यक्ति	1. आवाज आ शरीरक तालक उपयोग करैत भावनाक वर्णन करैत अछि (जेना चिन्ता, भय, आश्चर्य, आनन्द, तामस आदिसँ सम्बन्धित भावना) ।	6		
			2. एहन गीतक पहिचान करैत अछि जे विभिन्न भावनाकें व्यक्त करैत अछि आ कारणक व्याख्या करैत अछि ।	6		
			3. पिच, गतिशीलता, लय आ भावनाक बीच सम्बन्धक चर्चा करैत अछि ।	6		
	सी- 1.2	सहयोग आ समूह काज	4. एकटा सरल कथानक बनेबाक लेल सहकर्मी सभक सङ्ग सहयोग करैत अछि, आ सङ्गीत तत्व आ सीखल गीतक उपयोग करैत परिदृश्यकें व्यक्त करबाक प्रयास करैत अछि ।	6		
			5. गीतक सङ्ग विभिन्न भावनाक लेल प्रसङ्ग पर आधारित गीत प्लेलिस्ट बनाबैत अछि ।	6, 7		
सीजी 2	सी- 2.1	रूढ़िवादक पहिचान	6. सङ्गीतमे रूढ़िवादक उदाहरण दैत अछि ।	10		
			7. देशक सांस्कृतिक विविधताक उत्सव मनयबाक लेल गीतक चर्चा आ गायन करैत अछि ।	10		
			8. एहन गीतक चर्चा करैत अछि जे हुनका व्यक्तिगत रूपसँ प्रेरित करबामे सहायता करैत अछि ।	11		
	सी- 2.2	कल्पना आ रचनात्मकता	9. विषय पर आधारित सरल गीत लिखबाक प्रयास ।	10		
			10. कोनो गीतमे प्रमुख भावनाक पहिचान करैत अछि आ कारणपर चर्चा करैत अछि ।	10		
			11. सरल वाद्ययन्त्र बनेबाक लेल सहकर्मीसभक सङ्ग काज करैत अछि आ एकरा समूह प्रस्तुतिमे एक सङ्ग अनैत अछि ।	7		

सीजी	C	सामान्य मापदण्ड	सङ्गीतमे विशिष्ट सीखबाक परिणाम	अध्याय	शिक्षक	स्वयं
सीजी 3	सी- 3.1	सामग्री, उपकरण आ तकनीकक प्रयोग ¹	12. लकड़ी, धातु, डोरी आ माटिक बर्तन सन सामग्रीक आधार पर वाद्ययन्त्रक पहिचान करैत अछि आ जखन संभव होयत अछि।	7		
			13. उपयोगिता (राग आ लय) के आधार पर कक्षा मे निर्मित या उपस्थित वाद्ययन्त्र के वर्गीकृत करैत अछि।	7		
			14. देल गेल बैकिङ्ग ट्रैकक उपयोग करबाक आ सीखल गेल गीत गयबाक प्रयास।	9		
	सी- 3.2	तैयारी सँ प्रस्तुति तक कार्य प्रक्रिया	15. विभिन्न धार्मिक परम्परासँ सीखल गीतकेँ प्रस्तुत करैत अछि।	9		
			16. भारतभरिक स्थानीय गीत वा गीत चुनबाक लेल सहकर्मिसभक सङ्ग काज करैत अछि।	9		
			17. दर्शक के लेल गीत प्रस्तुत करैत अछि जाहि मे परिचय देल गेल अछि जे पसिन्न के व्याख्या करैत अछि।	9		
सीजी 4	C-4.1 आ C-4.2	स्थानीय आ क्षेत्रीय कलाक ज्ञान रूप, आ कलाकार	18. उत्तर आ दक्षिण भारतीय शास्त्रीय सङ्गीतक बीच अन्तरक पहिचान करैत अछि।	8		
			19. कर्नाटक आ हिन्दुस्तानी परम्पराक गीत गयबाक प्रयास।	8		
			20. स्थानीय वा राष्ट्रीय कलाकारक नाम स्मरण करैत अछि, आ हुनक काजक वर्णन करैत अछि।	8		
सङ्गीतमे मध्यावधि रचनात्मक मूल्याङ्कन समुच्चय						
सङ्गीतमे अन्त-अवधि रचनात्मक मूल्याङ्कन समुच्चय						

सीजी	C	सामान्य मापदण्ड	नृत्यमे विशिष्ट सीखबाक परिणाम आ आंदोलन	अध्याय	शिक्षक	स्वयं
सीजी 1	सी- 1.1	रोजक अनुभवक अभिव्यक्ति	1. रोजमर्रा के दिनचर्या मे शरीरक गतिविधि के प्रदर्शित करैत अछि ।	12		
			2. रोजमर्रा के क्रिया के देखाबै लेल लय आ मुद्रा के जोड़ैत अछि ।	12		
			3. अपन परिवेशमे नृत्य रूपक पहिचान करैत अछि ।	14		
	सी- 1.2	सहयोग आ टीमवर्क	4. आन्दोलनक दृश्यकै कोरियोग्राफ(नृत्य संयोजन) करबाक लेल सहकर्मीसभक सङ्ग सहयोग करैत अछि ।	12		
			5. गति आ लयक सङ्ग विभिन्न ज्यामितीय आकार बनाबैत अछि ।	13		
सीजी 2	सी- 2.1	रूढ़िवादक पहिचान	6. लैङ्गिक रूढ़िवादक वर्णन करैत अछि जकरा नृत्यमे चुनौती देल जाइत अछि ।	13		
			7. सभ तरहक नृत्य आ गतिक प्रयास करबाक लेल खुलापन देखाबैत अछि ।	13		
			8. नृत्यमे अवरोध तोड़बाक आधार पर एकटा परियोजना प्रस्तुत करैत अछि ।	13		
	सी- 2.2	कल्पना आ रचनात्मकता	9. सरल सन्देश आ वाक्य बनाबै लेल हाथ क प्रयोग करैत अछि ।	12		
			10. नृत्य मुद्रामे विभिन्न ज्यामितीय आकारक कल्पना करैत अछि ।	13		
			11. नृत्यक लेल प्रोप, आ गहनाक डिजाइन आ निर्माण करू ।	14		

सीजी	C	सामान्य मापदण्ड	नृत्यमे विशिष्ट सीखबाक परिणाम आ आंदोलन	अध्याय	शिक्षक	स्वयं
सीजी 3	सी- 3.1	सामग्री, उपकरण आ तकनीकक प्रयोग	12. मेरुदण्डक झुकावक उपयोग करैत शरीरक मुद्राक प्रदर्शन करैत अछि ।	12		
			13. नवरसक आधार पर भावनाक लेल मुखक भाव देखाबैत अछि ।	12		
			14. प्रोप, प्रविष्टि आ निकास क 'लेल प्रदर्शन स्थान पहचानैत अछि ।	13		
			15. नृत्य रूपमे गति, मुद्रा आ हाव-भावमे समानताक पहिचान करैत अछि ।	14		
	सी- 3.2	तैयारी सँ प्रस्तुति तक कार्य प्रक्रिया	16. नृत्य प्रदर्शनक लेल वाद्ययन्त्र, गति आ प्रोपकेँ एक सङ्ग अनैत अछि ।	14		
			17. देल गेल विषयक लेल एकटा साधारण नाट्य लिपि तैयार करैत अछि ।	14		
			18. सङ्गीतक सङ्ग मुद्रा, गति आ चेहराक अभिव्यक्तिक अभ्यास आ प्रस्तुति ।	14		
सीजी 4	C-4.1 आ C-4.2	स्थानीय आ क्षेत्रीय कला रूप, आ कलाकारक ज्ञान	19. भारत भरिक किछु शास्त्रीय नृत्य रूपक नाम ।	12		
	20. विभिन्न लोक नृत्यमे लिङ्ग मानदण्डक विश्लेषण करैत अछि ।		13			
	21. विभिन्न भारतीय राज्यक नृत्य रूपक तुलना करैत अछि ।		15			
नृत्यमे मध्यावधि रचनात्मक मूल्याङ्कन समुच्चय						
नृत्यमे अन्त-अवधि रचनात्मक मूल्याङ्कन समुच्चय						

सीजी	C	सामान्य मापदण्ड	रङ्गमञ्चमे विशिष्ट सीखबाक परिणाम	अध्याय	शिक्षक	स्वयं
सीजी 1	सी- 1.1	रोजक अनुभवक अभिव्यक्ति	1. अपन विचार आ भावनाकेँ व्यक्त करबाक लेल नव शब्द तकबाक प्रयास करैत अछि ।	16, 17		
			2. एहन परिस्थितिकेँ चिन्हैत अछि जकर दैनिक जीवनमे सङ्घर्ष होइत अछि ।	16, 17		
			3. नवरसकेँ ओकर रोजमर्रा के अनुभव सँ जोड़ैत अछि ।	16		
	सी- 1.2	सहयोग आ टीमवर्क	4. प्रस्तुति देबाक लेल सहकर्मी सभक सङ्ग सहयोग करैत अछि ।	17, 19		
			5. दुइ अथवा बेसी संप्रतीकक सँग कठपुतली शो बनाबैत अछि ।	19, 20		
सीजी 2	सी- 2.1	रूढ़िवादक पहिचान	6. कथामे पात्रक विशिष्ट विशेषताक पहिचान करैत अछि ।	17		
			7. सभ लिङ्गक पात्रक लेल वेशभूषा आ श्रृङ्गारक कल्पना करैत अछि ।	17		
	सी- 2.2	कल्पना आ रचनात्मकता	8. परिस्थिति, दृश्य आ पात्रक सूक्ष्म विवरणक कल्पना करैत अछि ।	17		
			9. परिस्थिति, आ सरल कथाक कल्पना आ प्रतिक्रिया दैत अछि ।	16		
			10. स्थानीय संस्कृति आ अपन भावनाक आधार पर मुखौटा बनबैत अछि ।	16		

सीजी	C	सामान्य मापदण्ड	रङ्गमञ्चमे विशिष्ट सीखबाक परिणाम	अध्याय	शिक्षक	स्वयं
सीजी3	सी- 3.1	सामग्री, उपकरण आ तकनीकक प्रयोग	11. विभिन्न तरहक कठपुतली (अङ्कुरी, मोजा, छड़ी आ छाया) बनाबैत अछि।	19		
			12. वेशभूषा, श्रृङ्गार आ मञ्च डिजाइन बनबैत अछि आ ओकरा निर्माणक लेल जोड़ैत अछि।	17, 19, 20		
			13. कागज आ गत्ता के उपयोग सँ विभिन्न तरहक मास्क बनाबैत अछि।	16		
			14. वर्णक लेल आवाज संशोधित करबाक प्रयोग।	19		
			15. चेहराक भाव, आवाज आ क्रियाक माध्यमसँ भावनाकेँ व्यक्त करैत अछि।	16		
	सी- 3.2	तैयारी सँ प्रस्तुति तक कार्य प्रक्रिया	16. कथाक सम्पादन आ रूपान्तरण संवाद, आ वार्तालापमे करैत अछि।	17, 19, 20		
			17. एकटा कथाक संरचना करैत अछि जकर आरम्भ, मध्य आ अन्त होइत अछि।	17, 19, 20		
			18. हालचाल आ संवाद वितरणक पूर्वाभ्यास करैत अछि।	19, 20		
			19. दर्शकक लेल एकटा पूर्ण शो प्रस्तुत करैत अछि।	19, 20		
सीजी4	C-4.1 आ C-4.2	स्थानीय आ क्षेत्रीय कलाक ज्ञान रूप, आ कलाकार	20. कथा आ वेशभूषाक प्रकारमे अन्तरक पहिचान करैत अछि।	18, 19		
			21. लोकप्रिय रङ्गमञ्च कम्पनी के नाम याद करैत अछि।	18		
			22. आजुक रङ्गमञ्चक तुलना कंपनी रङ्गमञ्च आ पारम्परिक कठपुतलीसँ करैत अछि।	18, 19		
रङ्गमञ्चमे मध्यावधि रचनात्मक मूल्याङ्कन समुच्चय						
रङ्गमञ्चमे अन्त-अवधि रचनात्मक मूल्याङ्कन समुच्चय						

योगात्मक मूल्याङ्कन

दृश्य कला	योगात्मक मूल्याङ्कनक उदाहरण	मूल्याङ्कन क' लेल मापदण्ड
व्यक्ति	- गुड्डी अहाँ के लेल की मतलब अछि? - अपन पसिन्न (नियमित वा अनियमित) कोनो आकारमे गुड्डी के डिजाइन करू। - गुड्डी बनयबाक लेल अपन परिवेशसँ सामग्री चुनू। - एकरा एहन चिलसँ खींचू, रङ्ग लगाउ अथवा कोलाज करू जे अहाँकेँ प्रसन्न करैत अछि। - एकटा डोरी लगाउ जाहि सँ ओ हवा मे लटक सकय या उड़ि सकय।	रोजमर्रा के अनुभवक व्यक्तिगत अभिव्यक्ति। कल्पना आ रचनात्मकता। अपन अवधारणाक लेल उपयुक्त सामग्री चुनैत अछि। उपयुक्त तकनीक आ समस्या समाधान लागू करैत अछि। प्रस्तुति।
समूह (3 – 4)	- एकटा उपयुक्त स्थान चिन्हू आ अपन सभटा गुड्डी केँ एक सङ्ग प्रदर्शित करू। - अपन मितसभसँ कहियौ जे ओ अपन गुड्डी केँ प्रदर्शनमे देखू आ एहि विषयमे गप्प करू।	सहयोग आ सामूहिक काज। आलोचनात्मक सोच।
सङ्गीत	योगात्मक मूल्याङ्कनक उदाहरण	मूल्याङ्कन क' लेल मापदण्ड
व्यक्ति	- एकटा गीत बजाओल जाइत अछि, छात्र प्रमुख भावनाक पहिचान करैत अछि। - चर्चा करू जे बजाओल गेल गीतमे स्वर, गतिशीलता, गीत आ वाद्ययन्त्र कोना प्रमुख भावनाकेँ व्यक्त करबामे सहायता करैत अछि। - गीतमे ताल चक्रक पहिचान करू आ शरीरक तालक उपयोग करैत एकटा सरल लय प्रतिरूप बनेबाक प्रयास करू।	विभिन्न रस या भावनाक ज्ञान। सङ्गीत तत्व आ भावनाक बीच सम्बन्ध। पैरक दोहन वा थोपड़ी बजाब, वा तालक उपयोग करैत ताल रखैत अछि। सरल लय प्रतिरूप बना सकैत अछि।
समूह (3 – 4)	छात्र सभ एकटा खिस्सा चुनैत छथि आ कथनकेँ जीवन्त करबाक लेल गीतक उपयोग करैत छथि।	सङ्गीतक टुकड़ाक चयनमे सक्रिय रूपसँ भाग लैत अछि। दर्शकक सोझाँ अन्तिम प्रस्तुति प्रस्तुत करैत अछि।
नृत्य	योगात्मक मूल्याङ्कनक उदाहरण	मूल्याङ्कन क' लेल मापदण्ड
व्यक्ति	- एकटा भाव देखाउ आ रस नाम सँ मेल खाउ। - देल गेल दू अथवा तीन हाथ देखाउ। - एकटा कल्पनाशील हाथ बनाउ। - प्रोजेक्ट काज।	गतिक लेल शरीरक कल्पनाशील उपयोग। प्रयुक्त रीढ़क हड्डी देखाबैत अछि। लयबद्ध पैर टपकाएब। बाँहि आ पैरक निर्देशांक करैत अछि।
समूह (3 – 4)	- नृत्य आ लयक अनुक्रम वाक्यांश। - हस्तक सङ्ग बातचीत या संवाद करू।	समूहक सङ्ग ताल मिलान करैत अछि। नृत्य कला के कोशिश करैत समय सहयोग करैत अछि।

रङ्गमञ्च	योगात्मक मूल्याङ्कनक उदाहरण	मूल्याङ्कन क' लेल मापदण्ड
व्यक्ति	- एकटा भावना अथवा स्वाद शिक्षक द्वारा देल जाइत अछि। - नाम केर सँग अक्षर बनावै क 'लेल चाइल्ल। - ओहि भावनामे ओहि चरित्रक दूटा परिस्थितिक वर्णन करू अथवा लिखू। - वेशभूषा डिजाइन करू आ ओही चरित्रक लेल बनाउ।	भावनाक ज्ञान आ उथला। एकरा सँ सम्बन्धित अछि आ जीवन मे एकर अनुप्रयोग के बुझैत अछि। एकरा प्रस्तुत करए मे आत्मविश्वास (मौखिक या लिखित)।
समूह (3 – 4)	- स्पष्ट शुरुआत-मध्य-अन्तक सङ्ग वार्तालापक सङ्ग एकटा सरल कहानी लिखू। - ओहि कथामे दूटा पात्रक प्रतिनिधित्व करबाक लेल मास्क बनाउ।	सहजता आ समस्या समाधान। टीमवर्क आ नेतृत्व। स्क्रिप्ट आ मास्ककेँ समझैत अछि।

मिड टर्म स्कोर	रचनात्मक कुल स्कोर	योगात्मक मूल्याङ्कन स्कोर	कुल
दृश्य कला			
सङ्गीत			
नृत्य			
रङ्गमञ्च			
कला शिक्षा कुल			
छात्रक सामर्थ्य पर टिप्पणी			
सुधारक क्षेत्र पर टिप्पणी			

अन्त अवधि स्कोर	रचनात्मक कुल अङ्क	योगात्मक मूल्याङ्कन अङ्क	कुल
दृश्य कला			
सङ्गीत			
नृत्य			
रङ्गमञ्च			
कला शिक्षा कुल			
छात्रक सामर्थ्य पर टिप्पणी			
सुधारक क्षेत्र पर टिप्पणी			